ग्वालियर हलचल

सान्ध्य दैनिक

वर्ष	अंक	ग्वालियर	सोमवार	पेज	मूल्य	R.N.I. No.
17	100	(मध्यप्रदेश)	09 अप्रैल 2018	12	3 रुपए	MPHIN/2001/5175

ग्वालियर हलचल को इन्टरनेट पर पढ़ें
www.gwaliorhulchal.com

कई दिनों से 'अशांत' ग्वालियर के सांसद नरेन्द्र सिंह तोमर कहां हैं?

ग्वालियर हलचल संवाददाता

ग्वालियर, 09 अप्रैल(ए.)। ग्वालियर-चम्बल संभाग का सबसे महत्वपूर्ण जिला ग्वालियर 2 अप्रैल से 'अशांत' बना हुआ है। यहां आगजनी, हिंसा, मारपीट, हत्या, तोड़फोड़ की घटनाएं हो चुकी हैं। सवर्ण समाज और दलित समाज के बीच दूरियां बढ़ गई हैं। कल 10 अप्रैल को बंद के आव्हान से जिले में तनाव और बढ़ गया है। प्रशासन ने स्थिति पर काबू पाने की तैयारियों के तहत इन्टरनेट सेवाएं बंद कर दी हैं। इस आपाधापी और अप्रिय माहौल में क्षेत्र के भाजपा सांसद और केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर कहीं नजर नहीं आ रहे हैं। अनुसूचित जाति-जनजाति के दो अप्रैल को भारत बंद के दौरान जिले में हुई भारी हिंसा के बाद श्री तोमर ने दिल्ली से अखबारी बयान जारी किया था, जिसमें सभी पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील की गई थी। उसके बाद से उनका कोई बयान न तो पढ़ने-सुनने में आया है और न ही वह अपने संसदीय क्षेत्र में हिंसा में घायल हुए लोगों से मिलने गए हैं।

शनिवार 7 अप्रैल को प्रदेश के मुख्य सचिव बीपी सिंह व पुलिस महानिदेशक ऋषि कुमार शुक्ला द्वारा ग्वालियर में मोतीमहल सभागार में ली गई सभी पक्षों की शांति समिति की बैठक में भी श्री तोमर ने अपना कोई प्रतिनिधि नहीं भेजा था। वैसे, इस बैठक में तोमर समर्थक राकेश जादौन, एडवोकेट उपेन्द्र सिंह बैस और अशोक जैन मौजूद थे। जिले से प्रदेश शासन के तीन मंत्रियों मायासिंह, जयभान सिंह पवैया और नारायण सिंह कुशवाह ने अपने-अपने अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में उपेन्द्र सिंह बैस (तोमर समर्थक), डॉ. हरिमोहन पुरोहित और कौशल वाजपेयी को इस बैठक में अपनी राय व्यक्त करने भेजा था।

नरेन्द्र सिंह तोमर, भाजपा सांसद-ग्वालियर व केन्द्रीय मंत्री

ग्वालियर हलचल को जानकारी मिली है कि सांसद श्री तोमर दलित-सवर्ण राजनीति के झगड़े में स्वयं को किसी भूमिका में रखना नहीं चाहते हैं और न ही किसी एक का पक्ष लेना चाहते हैं। वह यह भी नहीं चाहते कि

(शेष पेज 8 पर)

दीपावली तक रोप-वे बनकर तैयार नहीं हुआ तो ठेकेदार को दिक्कत आएगी: महापौर शेजवलकर

राजीव जौहरी

ग्वालियर हलचल संवाददाता

ग्वालियर, 09 अप्रैल। महापौर विवेक शेजवलकर ने आज दावा किया है कि रोप-वे का काम शुरू हो गया है और दीपावली तक रोप-वे बनकर तैयार हो जाएगा। आज ग्वालियर हलचल से बातचीत में उन्होंने कहा कि यदि दीपावली तक रोप-वे बनकर तैयार नहीं हुआ तो संबंधित ठेकेदार कम्पनी को दिक्कत आएगी।

किस प्रकार की दिक्कत आएगी? इस बारे में उन्होंने कुछ नहीं कहा। उनसे पूछा गया कि रोप-वे का काम कितना प्रतिशत हो गया है? वह बोले- आप मौके पर जाकर स्वयं देखें। मैं यहां से फोन कर देता हूं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि रोप-वे निर्माण संबंधी सभी सरकारी मंजूरियां मिल चुकी हैं।

क्या कांग्रेस नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया की ओर से रोप-वे निर्माण कार्य में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष बाधा डाली जा रही है? सवाल पर महापौर ने नाराजगी भरे स्वर में कहा कि ज्योतिरादित्य क्यों व्यवधान डालेंगे?

मालूम हो कि कुछ वर्ष पूर्व तक केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर आरोप लगाते थे कि श्री सिंधिया रोप-वे में बाधक बने हुए हैं।

(शेष पेज 10 पर)

कलेक्टर के साथ बैठक में मुदगल, कुलवीर, जयवीर बोले- कल स्वेच्छिक बंद रहेगा

ग्वालियर हलचल संवाददाता

ग्वालियर, 09 अप्रैल। कलेक्टर राहुल जैन और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. आशीष ने कल 10 अप्रैल के बंद से निपटने के लिए आज दोपहर पुलिस कंट्रोल रूम में समाज के विभिन्न प्रतिष्ठित जनों व विभिन्न दलों के नेताओं के साथ बैठक की। भाजपा नेता कुलवीर भारद्वाज, ब्राह्मण समाज के नेता महेश मुदगल, संत कृपाल सिंह,

(शेष पेज 8 पर)

अशांत ग्वालियर में ड्यूटी करने आए बाहर के पुलिस जवानों को रास नहीं आया डीआरपी लाइन का खाना

राजीव जौहरी

ग्वालियर हलचल संवाददाता

ग्वालियर, 09 अप्रैल। अशांत ग्वालियर में कानून व्यवस्था सुधारने के लिए ड्यूटी देने आए भोपाल व अन्य जिलों के पुलिस जवानों को यहां के डीआरपी लाईन के भोजन के पैकेट रास नहीं आए हैं। हरिमोहन शर्मा (एएसआई), रामनिवास सिंह, नरेश भगत आदिवासी (पुलिस आरक्षक), हरिशंकर बघेल (एएसआई), हरिमोहन राजावत (एसआई), नरेश सिंह, मोहन बाबू (पुलिस आरक्षक) इत्यादि बाहर के पुलिस जवानों ने ग्वालियर हलचल से कहा कि उन्हें व उनके अन्य साथियों को यहां शहर में अलग-अलग धर्मशालाओं और स्कूलों में ठहरने की व्यवस्था की गई है। लेकिन यहां साफ-सफाई व शौचालय इत्यादि के अच्छे इंतजाम नहीं हैं। इन पुलिस कर्मचारियों ने यह भी शिकायत की कि डीआरपी लाईन से जो भोजन उन्हें पैकेट के रूप में मिलता है, वह बासा रहता है। पूड़ी टाईट रहती हैं, आलू की सब्जी भी गर्मियों के मौसम में खराब हो जाती है। इसलिए उन्हें अपनी जेब से बाहर होटल में खाना खाना पड़ता है।

जब इस बारे में डीआरपी लाईन के आरआई (रक्षित निरीक्षक) देवेन्द्र सिंह यादव से उनकी प्रतिक्रिया ली गई तो उनका कहना था कि हमारी कोशिश रहती है कि भोजन के पैकेट में गुणवत्ता का ध्यान रखा जाए।

कांग्रेस के राज में बिजली जाती थी, भाजपा के राज में इन्टरनेट!

(पेज 4 पर)

इन्टरनेट बंद करने के निर्णय से सभी नाराज

(पेज 12 पर)